मांग संख्या 7	एक मंत्री	एक मंत्री प्रस्ताव करेंगे कि एक अनुपूरक धनराशि जो पूंजीगत खर्च के लिए ₹171,73,21,000/- से अधिक न हो, मांग संख्या **7– राज्य सरकार द्वारा कर्जे तथा पेशगियां** के सम्बन्ध में 31 मार्च, 2023 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।	अनुपूरक अनुमान 2022–23 (तीसरी किस्त) पृष्ठ संख्या 4–6
मांग संख्या 12	एक मंत्री	प्रस्ताव करेंगे कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹2,00,000/- से अधिक न हो, मांग संख्या **12–शिक्षा (उच्चतर/माध्यमिक/प्राथमिक)/तकनीकी शिक्षा/महिला एवं बाल विकास** के सम्बन्ध में 31 मार्च, 2023 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।	अनुपूरक अनुमान 2022–23 (तीसरी किस्त) पृष्ठ संख्या 10–12
मांग संख्या 19	एक मंत्री	प्रस्ताव करेंगे कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹546,62,34,000/- से अधिक न हो, मांग संख्या **19–सिंचाई/उधोग और वाणिज्य/एम एस एम ई/पूर्ति तथा निपटान/विद्युत और नवीनीकरणीय ऊर्जा/विज्ञान और प्रौद्योगिकी** के सम्बन्ध में 31 मार्च, 2023 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।	अनुपूरक अनुमान 2022–23 (तीसरी किस्त) पृष्ठ संख्या 13–15

मनोहर लाल

मुख्य मन्त्री, हरियाणा

हरियाणा सरकार

अनुपूरक अनुमान

2022-23
(तीसरी किस्त)

(राज्यपाल के आदेशानुसार हरियाणा विधान सभा को यथा–प्रस्तुत)

प्रस्तावना

इस खंड में शामिल पूरक मांगें चालू वित्त वर्ष 2022–23 के लिए अनुपूरक अनुमानों की तीसरी किस्त है। प्रस्तावित तृतीय अनुपूरक विनियोग बजट अनुमान 2022–23 के बाद हुए अत्यावश्यक व्यय को पूरा करने के लिए वर्ष 2022–23 के लिए बजट अनुदान के अलावा आवश्यक अतिरिक्तताओं के कारण हैं।

2. कुल प्रस्तावित तृतीय अनुपूरक मांगें 19314.47 करोड़ रुपये की हैं, जिसमें 718.37 करोड़ रुपये का राजस्व व्यय और 18596.10 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय शामिल है। इस राषि में 18536.00 करोड़ रुपये का अर्थोपाय अग्रिम शामिल है। भारतीय रिजर्व बैंक ने प्रत्येक वर्ष राज्य वित्त सचिवों के सम्मेलन के दौरान राज्य सरकारों पर अपनी तरलता की आवश्यकता को पूरा करने के लिए विशेष आहरण सुविधा (एसडीएफ) और अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए) का उपयोग करने के लिए बल दिया है क्योंकि ये निधियां बाजार उधारी (राज्य विकास ऋण) जैसे अन्य स्रोतों की तुलना में कम ब्याज दर पर उपलब्ध होती हैं।

3. हरियाणा के लिए एसडीएफ की सीमा 556.00 करोड़ है, जो रेपो रेट माइनस दो प्रतिशत पर उपलब्ध है, यह 4.25 प्रतिशत है। हरियाणा का डब्ल्यूएमए 1464.00 करोड़ रुपये है, जो उपरोक्त की तुलना में 6.25 प्रतिशत के रेपो रेट पर उपलब्ध है। चालू वित्त वर्ष 2022–23 में राज्य के बाजार उधारी (राज्य विकास ऋण) की भारित औसत ब्याज दर लगभग 7.67 प्रतिशत है।

4. तदनुसार, विवेकपूर्ण राजकोषीय प्रबंधन के एक भाग के रूप में और तरलता की आवश्यकता को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है कि संसाधनों की कमी को दूर करने के लिए नियमित आधार पर विशेष आहरण सुविधा और अर्थोपाय अग्रिम का उपयोग किया जाए। इससे राज्य के खजाने पर ब्याज का बोझ कम हुआ है। राज्य की तरलता की स्थिति के आधार पर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा एसडीएफ और डब्ल्यूएमए को दैनिक आधार पर स्वचालित रूप से समायोजित किया जाता है। इसलिए राज्य के खजाने पर एसडीएफ और डब्ल्यूएमए का शुद्ध प्रभाव शून्य है।

5. तदनुसार तृतीय पूरक अनुमानों की शुद्ध राशि केवल 718.37 करोड़ रुपये है।

अनुराग रस्तोगी
अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
वित्त विभाग।

अनुपूरक अनुमान 2022-23 (तीसरी क़िस्त) (राशि रुपयो मे)

मांग संख्या	विभाग और सेवाए	राजस्व				पूंजीगत				कुल जोड़	विवरण के पृष्ठ
		मुख्य शीर्ष	स्वीकृत	प्रभारित	जोड़	मुख्य शीर्ष	स्वीकृत	प्रभारित	जोड़		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
05	गृह/ कारागार/गृह रक्षी और नागरिक सुरक्षा/न्याय प्रशासन (उच्च न्यायालय/अभियोजन/एजीओटी/कानूनी सेवा प्राधिकरण)	2014-न्याय प्रशासन	...	60,09,57,000	**60,09,57,000**		...	...	**...**	**60,09,57,000**	**1-3**
		कुल	**...**	**60,09,57,000**	**60,09,57,000**		**...**	**...**	**...**	**60,09,57,000**	
07	राज्य सरकार द्वारा कर्ज तथा पेशगियां	...	...	...	**...**	6860-उपभोक्ता उद्योगों के लिये कर्ज	171,73,21,000	...	**171,73,21,000**	**171,73,21,000**	**4-6**
			...	**...**	**...**	**कुल**	**171,73,21,000**	**...**	**171,73,21,000**	**171,73,21,000**	
08	लोक ऋण	...	...	...	**...**	6003-राज्य सरकार का आन्तरिक ऋण	...	18536,00,00,000	**18536,00,00,000**	**18536,00,00,000**	**7-9**
			...	**...**	**...**	**कुल**	**...**	**18536,00,00,000**	**18536,00,00,000**	**18536,00,00,000**	
12	शिक्षा (उच्चतर/माध्यमिक/प्राथमिक)/तकनीकी शिक्षा/महिला एवं बाल विकास)	2235-सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण	2,00,000	...	**2,00,000**		...	...	**...**	**2,00,000**	**10-12**
		कुल	**2,00,000**	**...**	**2,00,000**		**...**	**...**	**...**	**2,00,000**	

अनुपूरक अनुमान 2022-23 (तीसरी क़िस्त) (राशि रुपयो मे)

मांग संख्या	विभाग और सेवाए	राजस्व				पूंजीगत				कुल जोड़	विवरण के पृष्ठ
		मुख्य शीर्ष	स्वीकृत	प्रभारित	जोड़	मुख्य शीर्ष	स्वीकृत	प्रभारित	जोड़		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
19	सिंचाई/उद्योग और वाणिज्य/ एमएसएमई/ पूर्ति तथा निपटान/ विद्युत और नवीनीकरणीय ऊर्जा/ विज्ञान और प्रौद्योगिकी	2801-बिजली	546,62,34,000	...	**546,62,34,000**		...	...	**...**	**546,62,34,000**	**13-15**
		कुल	**546,62,34,000**	**...**	**546,62,34,000**		**...**	**...**	**...**	**546,62,34,000**	
		कुल जोड़	**546,64,34,000**	**60,09,57,000**	**606,73,91,000**	**कुल जोड़**	**171,73,21,000**	**18536,00,00,000**	**18707,73,21,000**	**19314,47,12,000**	

मांग संख्या 05
गृह/ कारागार/गृह रक्षी और नागरिक सुरक्षा/न्याय प्रशासन (उच्च न्यायालय/अभियोजन/एजी ओटी/कानूनी सेवा प्राधिकरण)

वर्ष 2022-23 के अनुदानों और विनियोजनो की मागो के विवरण पत्र का पृष्ठ (V) देखिए

1.मूल अनुदान

राजस्व

स्वीकृत: सात हजार पाँच सौ तीन करोड़ बानबे लाख तीस हजार रुपये

प्रभारित: एक सौ चौरासी करोड़ तैंतीस लाख इक्यासी हजार चार सौ रुपये

पूंजीगत

स्वीकृत: चार सौ पैंतीस करोड़ रुपये

प्रभारित:

2. निम्नलिखित के सम्बन्ध मे खर्च को पूरा करने के लिए 31 मार्च, 2023 को समाप्त होने वाले वर्ष (तीसरी किस्त) मे अपेक्षित राशि के अनुपूरक अनुमान :-

2014-न्याय प्रशासन

राजस्व

प्रभारित साठ करोड़ नौ लाख सत्तावन हजार रूपये।

3. उप/लघु शीर्ष जिनके अधीन अनुपूरक अनुदानों का लेखा रखा जाएगा :-

2014-न्याय प्रशासन

51-लागू नहीं

102-उच्च न्यायालय

98-स्थापना

98-स्थापना खर्च

राजस्व ₹

प्रभारित

(01) वेतन	59,97,25,000
(05) कार्यालय खर्चे	12,32,000
कुल	**60,09,57,000**
कुल 2014-न्याय प्रशासन	**60,09,57,000**

4. अनुपूरक अनुमान (प्रथम और दूसरी किस्त) जोड़ने के बाद कुल मूल अनुदान 2022-23	**₹**
राजस्व	
स्वीकृत	8171,96,30,000
प्रभारित	184,33,81,400
पूंजीगत	
स्वीकृत	435,00,00,000
प्रभारित	...

5. जोड़िए, अब अपेक्षित राशि	**₹**
	60,09,57,000
राजस्व	
स्वीकृत	...
प्रभारित	60,09,57,000
पूंजीगत	
स्वीकृत	...
प्रभारित	...

6. अब अपेक्षित राशि जोड़ने के बाद कुल अनुदान :-	**₹**
	8851,39,68,400
राजस्व	
स्वीकृत	8171,96,30,000
प्रभारित	244,43,38,400
पूंजीगत	
स्वीकृत	435,00,00,000
प्रभारित	...

2014-न्याय प्रशासन

51-लागू नहीं

102-उच्च न्यायालय

98-स्थापना

98-स्थापना खर्च

प्रभारित **60,09,57,000**

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान न्यायिक वेतन आयोग को अमल करने हेतु खर्चो को वहन करने के लिये 60,09,57,000/- रूपये की अतिरिक्त राशि की आवश्यकता है ।

बजटोत्तर निर्णय होने के कारण बजट अनुमान 2022-23 में इस राशि का प्रावधान नहीं किया जा सका । अत: 60,09,57,000/- रुपये की राशि की मांग अनुपूरक अनुमान 2022-23 (तीसरी किस्त) के माध्यम से की जा रही है ।

यह एक "प्रभारित" (राजस्व) खर्च का मद है ।

मांग संख्या 07
राज्य सरकार द्वारा कर्ज तथा पेशगियां

वर्ष 2022-23 के अनुदानों और विनियोजनो की मागो के विवरण पत्र का पृष्ठ (VII-VIII) देखिए

1.मूल अनुदान

राजस्व

स्वीकृत:

प्रभारित:

पूंजीगत

स्वीकृत: एक हजार एक सौ सत्रह करोड़ चालीस लाख साठ हजार रुपये

प्रभारित:

2. निम्नलिखित के सम्बन्ध मे खर्च को पूरा करने के लिए 31 मार्च, 2023 को समाप्त होने वाले वर्ष (तीसरी किस्त) मे अपेक्षित राशि के अनुपूरक अनुमान :-

6860-उपभोक्ता उद्योगों के लिये कर्ज

पूंजीगत

स्वीकृत एक सौ इकहत्तर करोड़ तिहत्तर लाख इक्कीस हजार रुपये

3. उप/लघु शीर्ष जिनके अधीन अनुपूरक अनुदानों का लेखा रखा जाएगा :-

6860-उपभोक्ता उद्योगों के लिये कर्ज

04-चीनी

101-सहकारी चीनी मिलों को कर्ज

99-सभी सहकारी चीनी मिलों को ऋण

51-लागू नहीं

	₹
पूंजीगत	
स्वीकृत	
(23) कर्जे	171,73,21,000
कुल	**171,73,21,000**
कुल 6860-उपभोक्ता उद्योगों के लिये कर्ज	**171,73,21,000**

4. कुल मूल अनुदान 2022-23	₹
राजस्व	
स्वीकृत	...
प्रभारित	...
पूंजीगत	
स्वीकृत	1117,40,60,000
प्रभारित	...

5. जोड़िए, अब अपेक्षित राशि	₹
	171,73,21,000
राजस्व	
स्वीकृत	...
प्रभारित	...
पूंजीगत	
स्वीकृत	171,73,21,000
प्रभारित	...

6. अब अपेक्षित राशि जोड़ने के बाद कुल अनुदान :-	₹
	1289,13,81,000
राजस्व	
स्वीकृत	...
प्रभारित	...
पूंजीगत	
स्वीकृत	1289,13,81,000
प्रभारित	...

6860-उपभोक्ता उद्योगों के लिये कर्ज

04-चीनी

101-सहकारी चीनी मिलों को कर्ज

99-सभी सहकारी चीनी मिलों को ऋण

51-लागू नहीं

स्वीकृत **171,73,21,000**

वित्त वर्ष 2022-23 में गन्ना पेराई के बकाया भुगतान हेतु खर्च को पूरा करने के लिए 1,77,73,00,000/- रुपये की अतिरिक्त राशि की आवश्यकता है। मांग संख्या 07-राज्य सरकार द्वारा कर्ज तथा पेशगियां में 5,99,79,000/- रुपये की उपलब्ध बचत को समायोजित करते हुए 1,71,73,21,000/- रुपये की अतिरिक्त राशि की आवश्यकता है।

बजटोत्तर निर्णय होने के कारण बजट अनुमान 2022-23 में उपबन्ध नहीं किया जा सका। अतः 1,71,73,21,000/- रुपये की अतिरिक्त राशि की मांग अनुपूरक अनुमान 2022-23 (तीसरी किस्त) के माध्यम से की जा रही है।

यह एक "स्वीकृत" (पूंजीगत) खर्च का मद है ।

मांग संख्या 08
लोक ऋण

वर्ष 2022-23 के अनुदानों और विनियोजनो की मागो के विवरण पत्र का पृष्ठ (XXXIV-XXXV) देखिए

1.मूल अनुदान

राजस्व

स्वीकृत:

प्रभारित:

पूंजीगत

स्वीकृत:

प्रभारित: चौंतीस हजार पाँच सौ उनासी करोड़ चौंसठ लाख सोलह हजार नौ सौ तैंतालीस रुपये

2. निम्नलिखित के सम्बन्ध मे खर्च को पूरा करने के लिए 31 मार्च, 2023 को समाप्त होने वाले वर्ष (तीसरी किस्त) मे अपेक्षित राशि के अनुपूरक अनुमान :-

6003-राज्य सरकार का आन्तरिक ऋण

पूंजीगत

प्रभारित अठारह हजार पांच सौ छत्तीस करोड़ रुपये

3. उप/लघु शीर्ष जिनके अधीन अनुपूरक अनुदानों का लेखा रखा जाएगा :-

6003-राज्य सरकार का आन्तरिक ऋण

51-लागू नहीं

110-भारतीय रिजर्व बैंक से अर्थोपाय अग्रिम

51-लागू नहीं

51-लागू नहीं

पूंजीगत	**₹**
प्रभारित	
(23) कर्जे	18536,00,00,000
कुल	**18536,00,00,000**
कुल 6003-राज्य सरकार का आन्तरिक ऋण	**18536,00,00,000**

4. कुल मूल अनुदान 2022-23	₹
राजस्व	
स्वीकृत	...
प्रभारित	...
पूंजीगत	
स्वीकृत	...
प्रभारित	34579,64,16,943

5. जोड़िए, अब अपेक्षित राशि	₹
	18536,00,00,000
राजस्व	
स्वीकृत	...
प्रभारित	...
पूंजीगत	
स्वीकृत	...
प्रभारित	18536,00,00,000

6. अब अपेक्षित राशि जोड़ने के बाद कुल अनुदान :-	₹
	53115,64,16,943
राजस्व	
स्वीकृत	...
प्रभारित	...
पूंजीगत	
स्वीकृत	...
प्रभारित	53115,64,16,943

6003-राज्य सरकार का आन्तरिक ऋण

51-लागू नहीं

110-भारतीय रिजर्व बैंक से अर्थोपाय अग्रिम

51-लागू नहीं

51-लागू नहीं

प्रभारित **18536,00,00,000**

भारतीय रिजर्व बैंक ने हर वर्ष होने वाले राज्य वित्त सचिवों के सम्मेलन के दौरान राज्य सरकारों पर अपनी तरलता की आवश्यकता को पूरा करने के लिए विशेष आहरण सुविधा(एसडीएफ़) और अर्थोपाय अग्रिम (डबल्यूएमए) का उपयोग करने के लिए बल दिया है क्योकि ये निधिया बाज़ार उधारी (राज्य विकास ऋण) जैसे अन्य स्त्रोतों की तुलना मे नाममात्र/कम ब्याज दर पर उपलब्ध होती हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा राज्य सरकारो को विशेष आहरण सुविधा और अर्थोपाय अग्रिम अल्पाविधि संसाधनो की कमी को दूर करने तथा बाज़ार उधारी (राज्य विकास ऋण) जैसे अन्य स्त्रोतों की तुलना मे कम ब्याज दर पर बेहतर तरलता प्रबंधन के लिए उपलब्ध करवाया गया है।

भारतीय रिजर्व बैंक की दिनाक 1 अप्रैल, 2022 की प्रैस विज्ञप्ति के अनुसार हरियाणा की अर्थोयाय अग्रिम (डबल्यूएमए) की सीमा 1464,00,00,000/- रूपये है, जो 6.25 प्रतिशत के रेपों रेट पर उपलब्ध है। विशेष आहरण सुविधा की सीमा 556,00,00,000/- रूपये है, जो रेपों रेट माइनस दो प्रतिशत पर उपलब्ध है। वर्तमान मे यह 4.25 प्रतिशत (6.25-2.00) है।

उपरोक्त की तुलना में चालू वित्त वर्ष 2022-23 में राज्य के बाज़ार उधारी (राज्य विकास ऋण) की भारित औसत ब्याज दर लगभग 7.67 प्रतिशत है।

तदनुसार, विवेकपूर्ण राजकोषीय प्रबंधन के एक भाग के रूप में और तरलता की आवश्यकता को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है कि संसाधनो कि कमी को दूर करने के लिए नियमित आधार पर विशेष आहरण सुविधा और अर्थोपाय अग्रिम का उपयोग किया जाए। इसके परिणामस्वरूप राज्य के खजाने पर ब्याज का बोझ कम हुआ है।

अनुपूरक अनुमानों (तीसरी किस्त) के माध्यम से 18536,00,00,000/- रूपये कि मांग कि जा रही है। राज्य कि तरलता कि स्थिति के आधार पर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा एसडीएफ़ और डबल्यूएमए को दैनिक आधार पर स्वचालित रूप से समायोजित किया गया है। इसलिए राज्य के खजाना पर एसडीएफ़ और डबल्यूएमए का सुध प्रभाव शून्य है।

यह "प्रभारित" व्यय का एक मद है।

मांग संख्या 12
शिक्षा
(उच्चतर/माध्यमिक/प्राथमिक)/तकनीकी शिक्षा/महिला एवं बाल विकास)

वर्ष 2022-23 के अनुदानों और विनियोजनो की मागो के विवरण पत्र का पृष्ठ (XI-XII) देखिए

1.मूल अनुदान

राजस्व

स्वीकृत: बीस हजार तीन सौ तीस करोड़ नौ लाख छियानवे हजार सात सौ बीस रुपये

प्रभारित:

पूंजीगत

स्वीकृत: एक हजार आठ सौ पचास करोड़ अठारह लाख रुपये

प्रभारित:

2. निम्नलिखित के सम्बन्ध मे खर्च को पूरा करने के लिए 31 मार्च, 2023 को समाप्त होने वाले वर्ष (तीसरी किस्त) मे अपेक्षित राशि के अनुपूरक अनुमान :-

2235-सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण

राजस्व

स्वीकृत दो लाख रुपये

3. उप/लघु शीर्ष जिनके अधीन अनुपूरक अनुदानों का लेखा रखा जाएगा :-

2235-सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण

02-समाज कल्याण

103-महिला कल्याण

69-महिलाओं के लिए संकट बंद करने के लिए एक केन्द्र की स्थापना स्कीम

51-लागू नहीं

राजस्व	**₹**
स्वीकृत	
(09) सहायतानुदान सामान्य	1,00,000
कुल	**1,00,000**

2235-सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण

02-समाज कल्याण

103-महिला कल्याण

66-महिला हेल्पलाइन के सार्वभौमिकरण

51-लागू नहीं

राजस्व	**₹**
स्वीकृत	
(09) सहायतानुदान सामान्य	1,00,000
कुल	**1,00,000**
कुल 2235-सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण	**2,00,000**

4. अनुपूरक अनुमान (प्रथम और दूसरी किस्त) जोड़ने के बाद कुल मूल अनुदान 2022-23	**₹**
राजस्व	
स्वीकृत	22096,13,96,720
प्रभारित	...
पूंजीगत	
स्वीकृत	1880,18,00,000
प्रभारित	...

5. जोड़िए, अब अपेक्षित राशि	**₹**
	2,00,000
राजस्व	
स्वीकृत	2,00,000
प्रभारित	...
पूंजीगत	
स्वीकृत	...
प्रभारित	...

6. अब अपेक्षित राशि जोड़ने के बाद कुल अनुदान :-	**₹**

23976,33,96,720

राजस्व

स्वीकृत 22096,15,96,720

प्रभारित ...

पूंजीगत

स्वीकृत 1880,18,00,000

प्रभारित ...

2235-सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण

02-समाज कल्याण

103-महिला कल्याण

69-महिलाओं के लिए संकट बंद करने के लिए एक केन्द्र की स्थापना स्कीम

51-लागू नहीं

स्वीकृत **1,00,000**

वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान 100 प्रतिशत केन्द्रीय प्रायोजित योजना को पुनः सृजित करते हुए, भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार राज्य नोडल खाता खोलने हेतु 1,00,000/- रुपये की सांकेतिक मांग की जा रही है ।

बजटोत्तर निर्णय होने के कारण बजट अनुमान 2022-23 में इस राशि का उपबंध नहीं किया जा सका । अतः 1,00,000/- रूपये की सांकेतिक माँग अनुपूरक अनुमान 2022-23 (तीसरी किस्त) के माध्यम से की जा रही है।

यह "स्वीकृत" (राजस्व) खर्च का मद है ।

2235-सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण

02-समाज कल्याण

103-महिला कल्याण

66-महिला हेल्पलाइन के सार्वभौमिकरण

51-लागू नहीं

स्वीकृत **1,00,000**

वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान 100 प्रतिशत केन्द्रीय प्रायोजित योजना को पुनः सृजित करते हुए, भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार राज्य नोडल खाता खोलने हेतु 1,00,000/- रुपये की सांकेतिक मांग की जा रही है ।

बजटोत्तर निर्णय होने के कारण बजट अनुमान 2022-23 में इस राशि का उपबंध नहीं किया जा सका । अतः 1,00,000/- रूपये की सांकेतिक माँग अनुपूरक अनुमान 2022-23 (तीसरी किस्त) के माध्यम से की जा रही है।

यह "स्वीकृत" (राजस्व) खर्च का मद है ।

मांग संख्या 19
सिंचाई/उद्योग और वाणिज्य/ एमएसएमई/ पूर्ति तथा निपटान/ विद्युत और नवीनीकरणीय ऊर्जा/ विज्ञान और प्रौद्योगिकी

वर्ष 2022-23 के अनुदानों और विनियोजनो की मागो के विवरण पत्र का पृष्ठ (XVIII-XX) देखिए

1.मूल अनुदान

राजस्व

स्वीकृत: नौ हजार सात सौ चौदह करोड़ उनतीस लाख तिरेपन हजार रुपये

प्रभारित: एक लाख रुपये

पूंजीगत

स्वीकृत: चार हजार दो सौ छप्पन करोड़ उनचास लाख साठ हजार रुपये

प्रभारित: साठ करोड़ रुपये

2. निम्नलिखित के सम्बन्ध मे खर्च को पूरा करने के लिए 31 मार्च, 2023 को समाप्त होने वाले वर्ष (तीसरी किस्त) मे अपेक्षित राशि के अनुपूरक अनुमान :-

2801-बिजली

राजस्व

स्वीकृत पाँच सौ छियालीस करोड़ बासठ लाख चौंतीस हज़ार रुपये।

3. उप/लघु शीर्ष जिनके अधीन अनुपूरक अनुदानों का लेखा रखा जाएगा :-

2801-बिजली

05-संचरण तथा वितरण

800-अन्य व्यय

99-एच.वी.पी.एन.एल. को ग्रामीण विद्युतीकरण हेतु सहायता

51-लागू नहीं

राजस्व	**₹**
स्वीकृत	
(11) अनुदान	546,62,34,000

कुल	**546,62,34,000**
कुल 2801-बिजली	**546,62,34,000**

4. अनुपूरक अनुमान (प्रथम और दूसरी किस्त) जोड़ने के बाद कुल मूल अनुदान 2022-23	**₹**
राजस्व	
स्वीकृत	10044,30,53,000
प्रभारित	1,00,000
पूंजीगत	
स्वीकृत	4286,49,60,000
प्रभारित	60,00,00,000

5. जोड़िए, अब अपेक्षित राशि	**₹**
	546,62,34,000
राजस्व	
स्वीकृत	546,62,34,000
प्रभारित	...
पूंजीगत	
स्वीकृत	...
प्रभारित	...

6. अब अपेक्षित राशि जोड़ने के बाद कुल अनुदान :-	**₹**
	14937,43,47,000
राजस्व	
स्वीकृत	10590,92,87,000
प्रभारित	1,00,000
पूंजीगत	
स्वीकृत	4286,49,60,000
प्रभारित	60,00,00,000

2801-बिजली

05-संचरण तथा वितरण

800-अन्य व्यय

99-एच.वी.पी.एन.एल. को ग्रामीण विद्युतीकरण हेतु सहायता

51-लागू नहीं

स्वीकृत **546,62,34,000**

वित्त वर्ष 2022-23 में एच वी पी एन एल/ एच पी जी सी एल के ग्रामीण विद्युतीकरण हेतु खर्च को पूरा करने के लिए 780,07,00,000/- रुपये की अतिरिक्त राशि की आवश्यकता है। मांग संख्या 19-सिंचाई/उद्योग/ऊर्जा तथा विद्युत में 233,44,66,000/- रुपये की उपलब्ध बचत को समायोजित करते हुए 546,62,34,000/- रुपये की अतिरिक्त राशि की आवश्यकता है।

बजटोत्तर निर्णय होने के कारण बजट अनुमान 2022-23 में उपबन्ध नहीं किया जा सका। अतः 546,62,34,000/- रुपये की अतिरिक्त राशि की मांग अनुपूरक अनुमान 2022-23 (तीसरी किस्त) के माध्यम से की जा रही है।

यह 'स्वीकृत' (राजस्व) खर्च का मद है।

Demand No. 7	A MINISTER	to move that a supplementary sum not exceeding ₹171,73,21,000/- for Capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2023 in respect of Demand No. **7-Loans and Advances by State Government**	Supplementary Estimates 2022-23 (3rd Installment) Page 3-4
Demand No. 12	A MINISTER	to move that a supplementary sum not exceeding ₹2,00,000/- for Revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2023 in respect of Demand No. **12-Education(Higher/Secondary/Elementary)/Technical Education/Woman and Child Development**	Supplementary Estimates 2022-23 (3rd Installment) Page 8-10
Demand No. 19	A MINISTER	to move that a supplementary sum not exceeding ₹546,62,34,000/- for Revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 2023 in respect of Demand No. **19-Irrigation/Industries & Commerce/MSME/Supplies & Disposals/Power & Renewable Energy/Science & Technology**	Supplementary Estimates 2022-23 (3rd Installment) Page 11-13

Chief Minister, Haryana

GOVERNMENT OF HARYANA

SUPPLEMENTARY ESTIMATES

2022-23
(Third Instalment)

(As presented to the Haryana Vidhan Sabha by the Order of Governor)

PREFACE

The Supplementary Demands included in this volume constitute the Third installment of Supplementary Estimates for the current financial year 2022-23. The proposed Third Supplementary appropriations are on account of additionalities required over and above the Budget Grant for the year 2022-23 to meet urgent expenditure which arose after the Budget Estimates 2022-23.

2. The total proposed Third Supplementary Demands are of the order of ₹19314.47 crore, which constitute Revenue expenditure of ₹718.37 crore and Capital expenditure of ₹18596.10 crore. This amount includes a Ways & Means Advance of ₹18536.00 crore. Reserve Bank of India has been emphasising upon the State Governments during the State Finance Secretaries Conference every year, to use the Special Drawing Facility (SDF) and Ways & Means Advance (WMA) to meet its liquidity requirement, as these funds are available at a low rate of interest as compared to other borrowing sources such as Market borrowing (State Development Loan).

3. The limit of SDF for Haryana is ₹ 556.00 crore available at Repo rate minus two per cent, which is presently 4.25%. The WMA of the Haryana is ₹ 1464.00 crore, which is available at repo rate of 6.25%. As compared to above, the weighted average rate of interest of the market borrowing (State Development Loan) of the State in current fiscal 2022-23 is about 7.67%.

4. Accordingly, as a part of the prudent fiscal management and given the liquidity requirement, it has been decided to use the Special Drawing Facility and Ways & Means Advances on a regular basis to bridge the resource gap. This has resulted in reducing interest burden on the state exchequer. The SDF and WMA has been adjusted automatically on day to day basis by Reserve Bank of India depending upon the liquidity position of the State. Hence the net impact of SDF and WMA on State Treasury is zero.

5. Accordingly, the net amount of Third Supplementary Estimates is ₹718.37 crore only.

Anurag Rastogi
Additional Chief Secretary to Government Haryana
Finance Department

Supplementary Estimates 2022-23 (3rd Installment) (Amount in ₹)

No of Demand	Department / Services	Revenue				Capital				Grand Total	Reference to pages of details
		MajorHead	Voted	Charged	Total	MajorHead	Voted	Charged	Total		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
05	Home / Prisons /Home Guard and Civil Defence / Administration of Justice (High Court / Prosecution /AGOT/ Legal Service Authority)										1-2
		2014-Administration of Justice	...	60,09,57,000	60,09,57,000		...	...	...	60,09,57,000	
		Total	**...**	**60,09,57,000**	**60,09,57,000**		**...**	**...**	**...**	**60,09,57,000**	
07	Loans and Advances by State Government										3-4
			...	...	...	6860-Loans for Consumer Industries	171,73,21,000	...	171,73,21,000	171,73,21,000	
			...	**...**	**...**	**Total**	**171,73,21,000**	**...**	**171,73,21,000**	**171,73,21,000**	
08	Public Debt										5-7
			...	...	...	6003-Internal Debt of the State Government	...	18536,00,00,000	18536,00,00,000	18536,00,00,000	
			...	**...**	**...**	**Total**	**...**	**18536,00,00,000**	**18536,00,00,000**	**18536,00,00,000**	
12	Education (Higher/ Secondary/ Elementary)/ Technical Education/ Women and Child Development										8-10
		2235-Social Security and Welfare	2,00,000	...	2,00,000		...	...	...	2,00,000	
		Total	**2,00,000**	**...**	**2,00,000**		**...**	**...**	**...**	**2,00,000**	

Supplementary Estimates 2022-23 (3rd Installment) (Amount in ₹)

No of Demand	Department / Services	Revenue				Capital				Grand Total	Reference to pages of details
		MajorHead	Voted	Charged	Total	MajorHead	Voted	Charged	Total		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
19	Irrigation/ Industries & Commerce/ MSME/ Supplies & Disposals/ Power & Renewable Energy/ Science & Technology										11-13
		2801-Power	546,62,34,000	...	546,62,34,000		...	...	...	546,62,34,000	
		Total	**546,62,34,000**	**...**	**546,62,34,000**		**...**	**...**	**...**	**546,62,34,000**	
		Grand-Total	**546,64,34,000**	**60,09,57,000**	**606,73,91,000**	**Grand-Total**	**171,73,21,000**	**18536,00,00,000**	**18707,73,21,000**	**19314,47,12,000**	

Demand No.05
Home / Prisons /Home Guard and Civil Defence / Administration of Justice (High Court / Prosecution /AGOT/ Legal Service Authority)

See page V of Statement of Demands for Grants and Appropriation for the year 2022-23

1.Original Grant

Revenue

Voted	Rupees Seven Thousand Five Hundred Three Crore Ninety Two Lakh Thirty Thousand
Charged	Rupees One Hundred Eighty Four Crore Thirty Three Lakh Eighty One Thousand Four Hundred

Capital

Voted	Rupees Four Hundred Thirty Five Crore
Charged	

2. SUPPLEMENTARY ESTIMATES of the amount required in the year ending (3rd Instalment) 31 March, 2023 to defray charges in respect of :-

2014-Administration of Justice

Revenue

Charged **Rupees sixty crore nine lakh fifty seven thousand only.**

3. SUB/MINOR HEADS under which the supplementary grant will be accounted for :-

2014-Administration of Justice

51-N.A.

102-High Court

98-Establishment

98-Establishment Expenses

Revenue	**₹**
Charged	
(01) Salary	59,97,25,000
(05) Office Expenses	12,32,000
Total	**60,09,57,000**
Total 2014-Administration of Justice	**60,09,57,000**

4.Total Original Estimates after adding Supplementary Estimates (1st & 2nd Instalment 2021-22) **₹**

Revenue	
Voted	8171,96,30,000
Charged	184,33,81,400
Capital	
Voted	435,00,00,000
Charged	0

5. Add sum now required:	**₹**
	60,09,57,000
Revenue	
Voted	0
Charged	60,09,57,000
Capital	
Voted	0
Charged	0

6. Total Estimates after adding the sum now required	**₹**
	8851,39,68,400
Revenue	
Voted	8171,96,30,000
Charged	244,43,38,400
Capital	
Voted	435,00,00,000
Charged	0

2014-Administration of Justice

51-N.A.

102-High Court

98-Establishment

98-Establishment Expenses

	₹
Charged	**60,09,57,000**

An additional amount of Rs. 60,09,57,000/- is required to meet out the expenditure on account of implementation of Judicial Pay Commission during the financial year 2022-23.

Being a post budget development, the provision could not be made in the Budget Estimates 2022-23 Hence, a demand of Rs. 60,09,57,000/- is being made through Supplementary Estimates 2022-23 (3rd Instalment).

This is an item of “Charged" (Revenue) expenditure

Demand No.07
Loans and Advances by State Government

See page VII-VIII of Statement of Demands for Grants and Appropriation for the year 2022-23

1.Original Grant

Revenue

Voted

Charged

Capital

Voted Rupees One Thousand One Hundred Seventeen Crore Forty Lakh Sixty Thousand

Charged

2. SUPPLEMENTARY ESTIMATES of the amount required in the year ending (3rd Instalment) 31 March, 2023 to defray charges in respect of :-

6860-Loans for Consumer Industries

Capital

Voted **Rupees One Hundred Seventy One Crore Seventy Three Lakh Twenty One Thousand**

3. SUB/MINOR HEADS under which the supplementary grant will be accounted for :-

6860-Loans for Consumer Industries

04-Sugar

101-Loans to Co-operative Sugar Mills

99-Loans to all Co-operative Sugar Mills

51-N.A.

Capital	**₹**
Voted	
(23) Loans	171,73,21,000
Total	**171,73,21,000**
Total 6860-Loans for Consumer Industries	**171,73,21,000**

4.Total Original Estimates after adding Supplementary Estimates (1st & 2nd Instalment 2021-22)	**₹**
Revenue	
Voted	0
Charged	0

Capital	
Voted	1117,40,60,000
Charged	0
5. Add sum now required:	**₹ 171,73,21,000**
Revenue	
Voted	0
Charged	0
Capital	
Voted	171,73,21,000
Charged	0
6. Total Estimates after adding the sum now required	**₹ 1289,13,81,000**
Revenue	
Voted	0
Charged	0
Capital	
Voted	1289,13,81,000
Charged	0

6860-Loans for Consumer Industries

04-Sugar

101-Loans to Co-operative Sugar Mills

99-Loans to all Co-operative Sugar Mills

51-N.A.

	₹
Voted	**171,73,21,000**

An additional amount of Rs.1,77,73,00,000/- is required to meet out the expenditure for payment of cane arrears for the crushing season 2022-23.After adjusting the available savings of Rs. 5,99,79,000/- in the Demand No. 07- Loans and Advances by State Government an additional amount of Rs. 1,71,73,21,000/- is required during the Financial Year 2022-23.

Being, a post budget development, the provision could not be made in the Budget Estimate 2022-23. Hence, the demand of Rs.1,71,73,21,000/- is being made through Supplementary Estimates 2022-23 (3rd installment).

This is an item of "voted" (Capital) expenditure.

Demand No.08
Public Debt

See page XXXIV-XXXV of Statement of Demands for Grants and Appropriation for the year 2022-23

1.Original Grant

Revenue

Voted

Charged

Capital

Voted

Charged Rupees Thirty Four Thousand Five Hundred Seventy Nine Crore Sixty Four Lakh Sixteen Thousand Nine Hundred Forty Three

2. SUPPLEMENTARY ESTIMATES of the amount required in the year ending (3rd Instalment) 31 March, 2023 to defray charges in respect of :-

6003-Internal Debt of the State Government

Capital

Charged **Rupees Eighteen Thousand Five Hundred Thirty Six Crore Only**

3. SUB/MINOR HEADS under which the supplementary grant will be accounted for :-

6003-Internal Debt of the State Government

51-N.A.

110-Ways and Means Advances from the Reserve Bank of India

51-N.A

51-N.A

Capital	**₹**
Charged	
(23) Loans	18536,00,00,000
Total	**18536,00,00,000**
Total 6003-Internal Debt of the State Government	**18536,00,00,000**

4.Total Original Estimates after adding Supplementary Estimates (1st & 2nd Instalment 2021-22)	**₹**
Revenue	
Voted	0
Charged	0
Capital	

Voted	0
Charged	34579,64,16,943
5. Add sum now required:	**₹ 18536,00,00,000**
Revenue	
Voted	0
Charged	0
Capital	
Voted	0
Charged	18536,00,00,000
6. Total Estimates after adding the sum now required	**₹ 53115,64,16,943**
Revenue	
Voted	0
Charged	0
Capital	
Voted	0
Charged	53115,64,16,943

6003-Internal Debt of the State Government

51-N.A.

110-Ways and Means Advances from the Reserve Bank of India

51-N.A

51-N.A

	₹
Charged	**18536,00,00,000**

Reserve Bank of India (RBI) has been emphasized the State Governments during the State Finance Secretaries Conference every year to use the Special Drawing Facility and Ways and Means Advance to meet its liquidity requirement as these funds are available at nominal / cheaper rate of interest.

Special Drawing Facility and Ways and Means Advance has been provided by the RBI to the State Governments to bridge the short term resource gap and better liquidity management at low rate of interest as compare to other borrowing sources such as Market borrowing (State Development Loan).

As per RBI Press release dated April 01, 2022 limit of Ways & Means Advance of the Haryana is Rs.1464,00,00,000/- which is available at repo rate of 6.25% at present. Limit of Special Drawing facility for Haryana is Rs.556,00,00,000/- available at Repo rate minus two percent. Presently, it is 4.25% (6.25-2= 4.25).

As compare to above, the weighted average rate of interest of the market borrowing (State Development Loan) of the State in current fiscal 2022-23 is about 7.67%. Accordingly, as a part of the prudent fiscal management and given the liquidity requirement it has been decided to use the SDF and Ways & Means Advance on a regular basis to bridge the resource gap. This has been resulted in reducing interest burden on the state exchequer.

The demand of Rs.18536,00,00,000/- is being made through Supplementary Estimates 2022-23 (3rd Instalment). The SDF and WMA has been adjusted automatically on day to day basis by RBI depending upon the liquidity position of the State. Hence the net impact of SDF and WMA on State Treasury is zero.

This is an item of "Charged" expenditure.

Demand No.12
Education (Higher/ Secondary/ Elementary)/ Technical Education/ Women and Child Development

See page XI-XII of Statement of Demands for Grants and Appropriation for the year 2022-23

1.Original Grant

Revenue

Voted Rupees Twenty Thousand Three Hundred Thirty Crore Nine Lakh Ninety Six Thousand Seven Hundred Twenty

Charged

Capital

Voted Rupees One Thousand Eight Hundred Fifty Crore Eighteen Lakh

Charged

2. SUPPLEMENTARY ESTIMATES of the amount required in the year ending (3rd Instalment) 31 March, 2023 to defray charges in respect of :-

2235-Social Security and Welfare

Revenue

Voted **Rupees Two Lakh**

3. SUB/MINOR HEADS under which the supplementary grant will be accounted for :-

2235-Social Security and Welfare

02-Social Welfare

103-Women's Welfare

69-Scheme for setting up One Stop Crises Centre for women

51-NA

Revenue	**₹**
Voted	
(09) Grant-in-Aid-General	1,00,000
Total	**1,00,000**

2235-Social Security and Welfare

02-Social Welfare

103-Women's Welfare

66-Universalization of Women Helpline

51-NA

Revenue	**₹**
Voted	
(09) Grant-in-Aid-General	1,00,000
Total	**1,00,000**
Total 2235-Social Security and Welfare	**2,00,000**

4.Total Original Estimates after adding Supplementary Estimates (1st & 2nd Instalment 2021-22)	**₹**
Revenue	
Voted	22096,13,96,720
Charged	0
Capital	
Voted	1880,18,00,000
Charged	0

5. Add sum now required:	**₹**
	2,00,000
Revenue	
Voted	2,00,000
Charged	0
Capital	
Voted	0
Charged	0

6. Total Estimates after adding the sum now required	**₹**
	23976,33,96,720
Revenue	
Voted	22096,15,96,720
Charged	0
Capital	
Voted	1880,18,00,000
Charged	0

2235-Social Security and Welfare

02-Social Welfare

103-Women's Welfare

69-Scheme for setting up One Stop Crises Centre for women

51-NA

	₹
Voted	**1,00,000**

An additional amount of Rs.1,00,000/-, as token money, is required under 100% Centrally Sponsored Scheme for revival/re-opening of the Scheme so that State Nodal Account will be opened in accordance with the guidelines of Government of India during the financial year 2022-23.

Being a post budget development, provision could not be made in the Budget Estimates for year 2022-23. Hence, the demand of Rs.1,00,000/- as token money is being made through the Supplementary Estimates 2022-23 (3rd Instalment).

This is an item of "Voted" (Revenue) Expenditure.

2235-Social Security and Welfare

02-Social Welfare

103-Women's Welfare

66-Universalization of Women Helpline

51-NA

	₹
Voted	**1,00,000**

An additional amount of Rs.1,00,000/-, as token money, is required under 100% Centrally Sponsored Scheme for revival/re-opening of the Scheme so that State Nodal Account will be opened in accordance with the guidelines of Government of India during the financial year 2022-23.

Being a post budget development, provision could not be made in the Budget Estimates for year 2022-23. Hence, the demand of Rs.1,00,000/- as token money is being made through the Supplementary Estimates 2022-23 (3rd Instalment).

This is an item of "Voted" (Revenue) Expenditure.

Demand No.19
Irrigation/ Industries & Commerce/ MSME/ Supplies & Disposals/ Power & Renewable Energy/ Science & Technology

See page XVIII-XX of Statement of Demands for Grants and Appropriation for the year 2022-23

1.Original Grant

Revenue

Voted	Rupees Nine Thousand Seven Hundred Fourteen Crore Twenty Nine Lakh Fifty Three Thousand
Charged	Rupees One Lakh

Capital

Voted	Rupees Four Thousand Two Hundred Fifty Six Crore Forty Nine Lakh Sixty Thousand
Charged	Rupees Sixty Crore

2. SUPPLEMENTARY ESTIMATES of the amount required in the year ending (3rd Instalment) 31 March, 2023 to defray charges in respect of :-

2801-Power

Revenue

Voted	**Rupees Five Hundred Forty Six Crore, Sixty Two Lakh, Thirty Four Thousand.**

3. SUB/MINOR HEADS under which the supplementary grant will be accounted for :-

2801-Power

05-Transmission & Distribution

800-Other Expenditure

99-Assistance for Rural Electrification to HVPNL/HPGCL

51-N.A.

Revenue	**₹**
Voted	
(11) Subsidies	546,62,34,000
Total	**546,62,34,000**
Total 2801-Power	**546,62,34,000**

4.Total Original Estimates after adding Supplementary Estimates (1st & 2nd Instalment 2021-22) **₹**

Revenue

Voted	10044,30,53,000
Charged	1,00,000
Capital	
Voted	4286,49,60,000
Charged	60,00,00,000
5. Add sum now required:	**₹**
	546,62,34,000
Revenue	
Voted	546,62,34,000
Charged	0
Capital	
Voted	0
Charged	0
6. Total Estimates after adding the sum now required	**₹**
	14937,43,47,000
Revenue	
Voted	10590,92,87,000
Charged	1,00,000
Capital	
Voted	4286,49,60,000
Charged	60,00,00,000

2801-Power

05-Transmission & Distribution

800-Other Expenditure

99-Assistance for Rural Electrification to HVPNL/HPGCL

51-N.A.

	₹
Voted	**546,62,34,000**

An additional amount of Rs.780,07,00,000/- is required to meet out the urgent expenditure for Rural Electrification to HVPNL/HPGCL. After adjusting the available savings of Rs. 233,44,66,000/- in the Demand No. 19-Irrigation/Industries & commerce/MSME/Supplies & Disposals/Power and Renewable Energy/Science & Technology an additional amount of Rs. 546,62,34,000 is required diring the Financial Year 2022-23.

Being, a post budget development, the provision could not be made in the Budget Estimate 2022-23. Hence, the demand of Rs.546,62,34,000/- is being made through Supplementary Estimates 2022-23 (3rd installment).

This is an item of "voted" (Revenue) expenditure.